दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२४१ वा | गुरूवार ३ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

उपमुख्यमंत्री अजित पवारने बीड़ जिले के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की

हवाई अड्डा, रेलवे सहित सभी लंबित कामों को मिलेगी गति-उपमुख्यमंत्री अजित पवार

विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी

बीड़, २ अप्रैल: बीड़ जिले में हवाई अड्डा, रेलवे परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, राष्ट्रीय राजमार्ग, जिला परिषद द्वारा चलाई जा रही योजनाएं, शिक्षा विभाग की नवाचारी पहलें, इनक्यूबेशन सेंटर, तारामंडल, विद्युत आपूर्ति सहित जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा उपमुख्यमंत्री एवं बीड़ जिले के संपर्क मंत्री अजित पवार ने की। उन्होंने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। हवाई अड्डा, रेलवे सहित लंबित कार्यों को गति दी जाएगी और विकास कार्यों के लिए निधि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

यह बैठक जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, विधायक सतिष चव्हाण, विक्रम काळे, प्रकाश सोलंके, सुरेश धस, संदीप क्षीरसागर, विजयसिंह पंडीत, उपमुख्यमंत्री के सचिव राजेश देशमुख, विभागीय आयुक्त दिलीप गावडे, जिलाधिकारी अविनाश पाठक, पुलिस अधीक्षक नवनीत काँवत, जिला परिषद के सीईओ आदित्य जीवने समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा कि बीड़ जिले में वर्षों से लंबित रेलवे मार्ग को अब गति दी जाएगी। विभागीय आयुक्त हर माह इसकी प्रगति की समीक्षा करेंगे। यदि कोई इस कार्य में बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया जाएगा।

हवाई अड्डे के लिए ज़मीन बीड़ शहर से १४ किलोमीटर दूर कामखेडा के पास निश्चित की गई है। रेल और हवाई सेवाएं तेज़ी से पूरी की जाएंगी। हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। इस परियोजना के लिए किसी भी परिस्थिति में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।

आष्टी विद्युत उपकेंद्र को मिलेगी गति

आष्टी स्थित विद्युत उपकेंद्र को गति देने के निर्देश देते हुए पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना के अनुसार देश में २ करोड़ आवास दिए जाने हैं, जिनमें महाराष्ट्र में २० लाख आवास दिए जाएंगे। बीड़ जिले में फिलहाल ८५,००० आवास निर्माणाधीन हैं। आगामी अवधि में ७५,००० आवास पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। दिवाली पर नवनिर्मित आवासों में कार्यक्रम की शुरुआत उपमुख्यमंत्री ने स्वयं की। इस अवसर पर अपने खर्च से घर बनवाने वाले १० परिवारों को सम्मानित किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार

जिला परिषद द्वारा शुरू किए गए पायाभूत साक्षरता व संख्याज्ञान गुणवत्ता विकास अभियान २०२५ की सराहना करते हुए पवार ने कहा कि इससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक विकास होगा। इसके लिए जिला वार्षिक योजना से आवश्यक निधि दी जाएगी। शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण देने के लिए बजट में ३० लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर सीएसआर व जिला वार्षिक योजना से भी निधि उपलब्ध कराई जाएगी। शैक्षणिक परिसर की चारदीवारी, शौचालय, आंगनवाड़ी और शैक्षणिक विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

कानून व्यवस्था की समीक्षा

कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिले की शांति बनाए रखना पुलिस के साथ-साथ हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पुलिस विभाग को आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएंगे। पुलिस थानों और वाहनों के लिए १६.३४ करोड़ रुपये का निधि दिया जाएगा। पूर्व में दिए गए शस्त्र लाइसेंस की पुनः जांच की जाएगी और आवश्यकता अनुसार ही नए लाइसेंस दिए जाएंगे।

अंबाजोगाई मेडिकल कॉलेज को मिलेगा विशेष निधि

अंबाजोगाई स्थित शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय को अगले वर्ष ५० वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के लिए विशेष कार्यों हेतु शासन स्तर से निधि दिया जाएगा। बीड़ सहित परभणी, लातूर और उस्मानाबाद जिलों से आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलें, इसके लिए भी विशेष निधि की व्यवस्था की जाएगी।

मराठवाड़ा का पहला कौशल विकास केंद्र बीड़ में

बीड़ शहर के मध्य में आईटीआई परिसर की तीन एकड़ भूमि में कौशल विकास केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र टाटा कंपनी के सहयोग से बनेगा। इसमें टाटा कंपनी १६५.१० करोड़ और एमआईडीसी ३१.११ करोड़ का निवेश करेगी। कुल १९६.९८ करोड़ की लागत से बनने वाला यह मराठवाड़ा का पहला कौशल विकास केंद्र होगा। इससे पहले विदर्भ के चंद्रपुर और गढ़चिरोली व कोकण के रत्नागिरी में ऐसे केंद्र शुरू किए गए हैं।

कालबद्ध निधि उपयोग पर जोर

इस वर्ष निधि का नियोजनबद्ध उपयोग हो, इसके लिए उपमुख्यमंत्री ने संकेत दिए। शीघ्र बैठक लेकर सभी योजनाओं की समीक्षा की जाएगी और तकनीकी व प्रशासनिक मंजूरी समय पर दी जाएगी ताकि दिसंबर २०२५ तक सभी निधियों का प्रभावी उपयोग हो सके और कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो।

बीड़ को मिलेगा आकर्षक तारामंडल

बीड़ शहर में एक अद्यतन और सुंदर तारामंडल बनाया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहली के रूप में अनुभव मिले और यह एक आकर्षक पर्यटन स्थल भी बने। इसके लिए आईटीआई की खाली ज़मीन पर २० करोड़ रुपये की लागत से तारामंडल का निर्माण किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियाँ और जिले के दर्शनीय स्थलों की प्रतिकृतियां रखी जाएंगी।

इस बैठक में जिलाधिकारी अविनाश पाठक ने हवाई अड्डे, रेलवे और अन्य विकास कार्यों की प्रगति पर प्रस्तुति दी। जिला परिषद के सीईओ आदित्य जीवने व पुलिस अधीक्षक नवनीत काँवत ने भी अपने विभागों के कार्यों की जानकारी दी। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार वक्फ की जमीनों पर कब्ज़ा या दखल देने की कोशिश न करे-जितेन्द्र आव्हाड

हमारे नेता शरद पवार हैं, सांप्रदायिक ताकतों के साथ जाने का सवाल ही नहीं उठता

मुंबई: भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में लोगों की धार्मिक संपत्तियों में सरकार की दखलअंदाजी स्वीकार नहीं की जा सकती। वक्फ की ज़मीनें दान और जनकल्याण के लिए समर्पित होती हैं, जिन पर किसी व्यक्ति या संस्था का निजी अधिकार नहीं होता। सरकार को इन ज़मीनों पर अवैध दावा या कब्ज़ा करने की कोशिश से बचना चाहिए, बल्कि ऐसे कानून बनाए जाने चाहिए जो वक्फ संपत्तियों को जनहित में सुरक्षित रख सकें। यह बातें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के वरिष्ठ नेता जितेन्द्र आव्हाड ने मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान कहीं।

जितेन्द्र आव्हाड ने सवाल उठाया कि मुंबई में मुकेश अंबानी का घर किस ज़मीन पर है? उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से मुस्लिम समाज के कुछ नेताओं ने वक्फ संपत्तियों का गलत उपयोग किया है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकार धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करे। यह संविधान का उल्लंघन है। आज देश में यह बहस हो रही है कि दक्षिण भारत के मंदिरों में इतना सोना है कि यदि उसका सही तरीके से उपयोग हो तो भारत दुनिया का सबसे अमीर देश बन सकता है। तो फिर वक्फ बोर्ड का विरोध क्यों किया जा रहा है? एक बार ज़मीन वक्फ कर दी गई तो वह समाज के लिए समर्पित हो जाती है, उसे किसी अन्य के नाम पर दोबारा स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। अगर सरकार को कानून बनाना ही है तो ऐसा कानून बनाए कि कोई भी इन ज़मीनों पर गलत नज़र न डाल सके। यह ज़मीनें उन लोगों के पूर्वजों ने समाज की भलाई के लिए दी थीं।

उन्होंने आगे कहा कि मुस्लिम समाज के कुछ नेताओं ने कानूनों का दुरुपयोग किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सरकार वक्फ संपत्तियों को खुले बाज़ार में बिक्री के लिए पेश कर दे। दिल्ली के केंद्रीय इलाकों में भी अब वक्फ की ज़मीनें बेची जा रही हैं। संसद भी वक्फ की ज़मीन पर बनी है, तो क्या वक्फ उस पर भी दावा करेगा? क्या हम धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को नहीं मानेंगे? संसद ब्रिटिश शासन के दौरान बनी थी, तब वे लोग कहां थे जो आज सवाल उठा रहे हैं? उस समय तो उनकी पैदाइश भी नहीं हुई थी। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू जैसे जिम्मेदार लोग संसद में गलत बयान देते हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि खराब होती है।

जितेन्द्र आव्हाड ने यह भी कहा कि जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। इसी उद्देश्य से महाराष्ट्र में हर साल पुलिस थानों में इफ्तार पार्टी आयोजित की जाती थी, लेकिन इस साल जब निमंत्रण पत्र छप चुके थे, तो ऊपर से अचानक आदेश आया कि इसे रद्द कर दिया जाए। आखिर सरकार करना क्या चाहती है? उन्होंने सरकार से सवाल किया कि जब हिंदू मंदिरों में अरबों रुपये का सोना है, तो क्या सरकार उसे भी अपने कब्ज़े में लेगी? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की दोनों शाखाएं वैचारिक और व्यावहारिक रूप से अलग हैं। हमारे नेता शरद पवार साहब हैं और हमारे विचार गांधी व नेहरू के सिद्धांतों पर आधारित हैं। इसलिए सांप्रदायिक ताकतों के साथ जाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इस बारे में किसी भी प्रकार की गलतफहमी नहीं होनी चाहिए।

अर्धा मसला मस्जिद ब्लास्ट के दोषियों को होगी कड़ी सजा-अजित पवार

फारूक पटेल के ईद मिलन कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने दिलाया भरोसा

बीड (संवाददाता): बीड़ जिले के अर्धा मसला गांव की मस्जिद में हुए बम धमाके के दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। यह आश्वासन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने फारूक पटेल द्वारा आयोजित ईद मिलन कार्यक्रम में दिया।

इससे पहले फारूक पटेल ने अपने भाषण में कई मांगें रखते हुए मस्जिद ब्लास्ट के आरोपियों को सख्त सजा देने की अपील की थी। जवाब में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपनी बात रखते हुए भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि उर्दू घर, मुस्लिम गर्ल्स हॉस्टल और अन्य लंबित समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में विधायक प्रकाश सोलंके, काड़े, अमर सिंह पंडित, सलीम सारंग (मुंबई), सैयद नोवीद उल ज़मां, चौहान, सैयद मुइन मास्टर, अशफ़ाक इनामदार, बरकत पठान, अमर नायक वाड़े, रमीज़ अहमद समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

शेख निज़ाम को राष्ट्रवादी कांग्रेस का पूरा समर्थन मिलेगा-उपमुख्यमंत्री अजित पवार

ईद मिलन व पार्टी प्रवेश कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री की उपस्थिती, शेख निज़ाम ने रखी कई मांगें

बीड (प्रतिनिधि): बीड़ जिले और शहर के प्रखर और निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व क्षमता रखने वाले शेख निज़ाम ने शिवसेना को छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का दामन थाम लिया है। इस अवसर पर रमज़ान ईद के उपलक्ष्य में ईद-ए-मिलाप और पार्टी प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजितदादा पवार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अपने प्रस्तावित भाषण में शेख निज़ाम ने बीड़ शहर के बालेपीर स्थित नए ईदगाह तक सीमेंट-कॉन्क्रीट रोड का निर्माण, अल्पसंख्यक लड़कियों के लिए मंज़ूर छात्रावास का शीघ्र कार्यारंभ, बीड़ जिले में उर्दू घर की स्थापना, यूपीएससी/एमपीएससी की तैयारी कर रहे अल्पसंख्यक छात्रों के लिए स्टडी सेंटर और लाइब्रेरी की स्थापना, इस्लामपुरा ईदगाह में भूमि की कमी के कारण बिंदुसरा नदी क्षेत्र में जमीन उपलब्ध कराने तथा अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में नियोजित विकास की मांगें उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।

इन मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि शेख निज़ाम एक महत्वाकांक्षी और जनसेवी व्यक्तित्व हैं। उन्होंने जो मांगें की हैं, उन पर सकारात्मक विचार कर कार्रवाई की जाएगी। शेख निज़ाम स्वयं इन मांगों का निरंतर फॉलोअप करें और जल्द से जल्द इन्हें पूरा किया जाएगा, ऐसा आश्वासन उपमुख्यमंत्री ने दिया। उन्होंने शेख निज़ाम का एनसीपी में प्रवेश पर स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी को शेख निज़ाम जैसे जुझारू कार्यकर्ताओं की ज़रूरत है और पार्टी उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी। इस कार्यक्रम में विधायक प्रकाश सोलंके, अमरसिंह पंडित, विजयसिंह पंडित, सतीश चव्हाण, विक्रम काळे, पूर्व विधायक संजय दौंड, जिलाध्यक्ष राजेश्वर चव्हाण, ॲड. गोरक्ष लोखंडे, एनसीपी ओबीसी सेल के प्रदेशाध्यक्ष कल्याण आखाडे, योगेश क्षीरसागर, नारायण बप्पा शिंदे, बळीराम गवते, बळी चव्हाण, प्रशिक्षित जाधव, अनुप मंत्री, संदीप पाटील, रितेश ढगे पाटील, गोपाल धांडे, विजय चांदणे, सलीम शेख, समीर सैय्यद, रईस चाऊस, सरपंच बिलाल पटेल, प्रज्ञाताई खोसरे, प्रियाताई डोईफोडे, शीतलताई धोंडरे, पत्रकार भागवत तावरे, अब्दुल वकील सर, असलम अनवरी सर, नगरसेवक जैतुला खान, शेख इकबाल, रविंद्र कदम, विनोद मुळूक, विलास विधाते, रमेश चव्हाण, सय्यद इलियास मुन्ना, इनामदार, रफिक नाशाद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, नगरसेवक, एनसीपी पदाधिकारी, नागरिक और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख नाम:शेख निज़ाम जैनुद्दीन, शेख अमर जैनुद्दीन, मोमीन जुबेर, खय्युम इनामदार, पठान चुन्नू खान, जयंत वाघ, आज़म खान, जब्बार इनामदार, मुज़फ्फर चौधरी, शेख नसीर, हाजी अयूब खान पठान, शेख हमीद पीर मोहम्मद, सय्यद फहीम, शेख इमरान, शेख अदनान, जमीर इनामदार, सय्यद रियाज़ राजे सहित अन्य कार्यकर्ता।

सलीम सारंग का कार्यालय 'तामीर' में आगमन

बीड़ दौरे पर पहुंचे अल्पसंख्यक सेल के राज्य अध्यक्ष, 'तामीर' संपादक और टीम से की मुलाकात

बीड़, २ अप्रैल: महाराष्ट्र माइनॉरिटी सेल (अजित पवार गुट) के राज्य अध्यक्ष, मौलाना आज़ाद फाइनेंशियल बोर्ड के राज्य सदस्य और प्रसिद्ध बिल्डर सलीम सारंग बीड़ के दौरे पर थे। इस अवसर पर उन्होंने 'तामीर' कार्यालय का दौरा किया।

उनके साथ उनके सुपुत्र के अलावा सेल के जिला अध्यक्ष रमीज़ अहमद (आरटीओ), जनाब तेली साहब व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

'तामीर' कार्यालय में संपादक क़ाज़ी मखदूम, अब्दुलबारी क़ादरी, ज़िया क़ादरी, मजहर अली, क़ाज़ी रफ़ी, क़ाज़ी रेहान सहित 'तामीर' परिवार के कई सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने सलीम सारंग का गर्मजोशी से स्वागत किया और आपसी संवाद में सामाजिक व विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

अजित पवार के 'उस' बयान से फिर उठा सियासी संशय का बवंडर!

काका शरद पवार की कृपा से सब ठीक चल रहा है-अजित पवार का बयान बना चर्चा का विषय

रिपोर्टर: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, २ अप्रैल: महाराष्ट्र की राजनीति में पवार काका-भतीजे की सियासत का कोई भी सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है-इसका ताजा उदाहरण एक बार फिर बुधवार को देखने को मिला। राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बीड़ में एक कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक मंच से कहा कि उनकी प्रगति उनके चाचा शरद पवार की कृपा से ही संभव हो पाई है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अजित पवार ने करीब दो साल पहले अपने चाचा से अलग होकर महायुती सरकार का हिस्सा बनने का फैसला किया था।

इस बयान के बाद एक बार फिर से राजनीतिक हलकों में भ्रम और संशय का माहौल पैदा हो गया है। सत्ताधारी और विपक्षी महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने इस पर मिलीजुली प्रतिक्रियाएं दी हैं, जिससे मामले को लेकर और भी असमंजस बढ़ गया है।

बता दें कि बीड़ जिले के संपर्क मंत्री अजित पवार ने बुधवार को एक कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को अनुशासित रहने की सलाह दी और कहा कि उनके माता-पिता और चाचा (शरद पवार) के आशीर्वाद से ही उनका सब कुछ अच्छे से चल रहा है। यही बयान राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गया।

जब इस पर राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया गया तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना हमेशा अच्छा होता है। अब उन्होंने अपने चाचा को सिर्फ आशीर्वाद देने तक ही सीमित कर दिया है।

वहीं, शरद पवार गुट के विधायक और वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड ने इस मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी पार्टी का रुख साफ किया। उन्होंने कहा, दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टियां वैचारिक और राजनीतिक रूप से अलग हैं। हम शरद पवार की विचारधारा पर चलते हैं और कभी भी सांप्रदायिक ताकतों के साथ नहीं जाते। अजित पवार को ऐसे बयान देकर जनता में भ्रम नहीं फैलाना चाहिए।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने भी इस मौके पर तंज कसते हुए कहा, अच्छा हुआ कि अजित पवार ने कम से कम यह तो स्वीकार किया कि उनका कर्तृत्व उनके चाचा की बदौलत है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह दिखा दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार की हर हलचल से नया सियासी तूफान खड़ा हो सकता है।

अंबाजोगाई मेडिकल कॉलेज को ५०वीं वर्षगांठ पर मिलेगा विशेष निधि, बीड़ में स्थापित होगा मराठवाड़ा का पहला कौशल विकास केंद्र

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दी कई बड़ी घोषणाएं, दिसंबर २०२५ तक नियोजित निधि उपयोग पर जोर

बीड, २ अप्रैल: अंबाजोगाई स्थित शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय को आगामी वर्ष में ५० वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने घोषणा की है कि कॉलेज के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए राज्य सरकार की ओर से विशेष निधि प्रदान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि बीड़ सहित परभणी, लातूर और धाराशिव जिलों के मरीजों की संख्या को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सुविधाओं के लिए अलग से बजट का प्रावधान किया जाएगा।

मराठवाड़ा को मिलेगा पहला कौशल विकास केंद्र

बीड शहर के मध्य भाग में स्थित आईटीआई की तीन एकड़ ज़मीन पर एक अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र टाटा कंपनी के सहयोग से विकसित किया जाएगा, जिसमें कंपनी की ओर से १६५.१० करोड़ रुपये और एमआईडीसी की ओर से ३१.११ करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कुल १९६.९८ करोड़ की लागत से बनने वाला यह केंद्र मराठवाड़ा का पहला कौशल विकास केंद्र होगा। इससे पहले विदर्भ के चंद्रपुर और गढ़चिरोली तथा कोकण के रत्नागिरी में ऐसे केंद्रों की शुरुआत हो चुकी है।

वित्तीय वर्ष २०२५ के लिए निधि उपयोग पर विशेष निर्देश

उपमुख्यमंत्री पवार ने इस वर्ष योजनाबद्ध तरीके से निधि उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही एक बैठक आयोजित कर सभी योजनाओं और संबंधित विभागों की समीक्षा की जाएगी। तकनीकी और प्रशासनिक मंजूरी की प्रक्रिया तेज की जाएगी, ताकि दिसंबर २०२५ से पहले सभी योजनाओं के लिए निधि खर्च हो और कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो सके।

बीड को मिलेगा अत्याधुनिक तारामंडलबीड में एक आकर्षक और अत्याधुनिक तारामंडल (झश्ररप-शींरीळीं) भी स्थापित किया जाएगा। इसका उद्देश्य जिले भर के स्कूली छात्रों को शैक्षणिक यात्राओं के माध्यम से खगोलशास्त्र की जानकारी देना है। साथ ही यह स्थान बीड़ आने वाले पर्यटकों के लिए भी एक दर्शनीय स्थल बनेगा। यह तारामंडल आईटीआई की खाली ज़मीन पर २० करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा। इसमें छात्रों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां और जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों की प्रतिकृतियां भी प्रदर्शित की जाएंगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अविनाश पाठक ने जिला प्रशासन की ओर से नए हवाई अड्डे, रेलवे मार्ग और चल रहे विकास कार्यों की प्रस्तुति दी।जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य जीवने और जिला पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत ने भी अपने-अपने विभागों की ओर से जारी कार्यों की जानकारी दी। इस बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनिल जगताप के नेतृत्व में भटक्या विमुक्त समाज के कार्यकर्ताओं का शिवसेना में जोरदार प्रवेश

बीड (प्रतिनिधि): हिंदुहृदयसम्राट स्वर्गीय बाळासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे साहेब के विचारों से प्रेरित होकर, तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना के मुख्य नेता माननीय एकनाथजी शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व से प्रभावित होकर, भटक्या विमुक्त समाज के अनेक कार्यकर्ताओं ने शिवसेना में औपचारिक रूप से प्रवेश किया।

यह प्रवेश कार्यक्रम ओबीसी वीजेपीएनटी सेना महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष बाळासाहेब किसवे, शिवसेना बीड जिलाध्यक्ष अनिलदादा जगताप, ओबीसी वीजेपीएनटी सेना राज्य संपर्क प्रमुख किरण चव्हाण और जिलाध्यक्ष मनोज चव्हाण के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिवसेना नेताओं ने इन सभी कार्यकर्ताओं का भगवा ध्वज देकर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष अनिलदादा जगताप ने अपने भाषण में कहा कि बाळासाहेब ठाकरे के विचारों को आगे बढ़ाते हुए, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आम जनता के लिए अनेक लोकहितकारी योजनाएं शुरू की हैं और खुद को एक जननेता के रूप में सिद्ध किया है। इसलिए अब सभी जाति-धर्म के कार्यकर्ताओं को एक होकर इस नेतृत्व को मजबूत करना चाहिए।

जिला संपर्कप्रमुख बाप्पूसाहेब मोरे ने कहा कि अठारह पगड जातियों की एकजुटता एकनाथ शिंदे की ताकत बनकर उभरेगी। इस कार्यक्रम में शिवसेना पदाधिकारी, युवासेना कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com